स्वर्गीय

प्रेम कथा

स्वर्ग में एक परमेश्वर है जो आप से प्रेम करता है। वो आप को बुला रहा है कि आज आप उसके बेटे या बेटी बन जाओ। यदि आज आप आपना दिल उसके लिये खोंलो, तो आप का जीवन हमेंशा के लिये बदल जायेगा। आज आप परमेंश्वर की संतान बन सकते है और साथ ही अनन्त जीवन पा सकते है। आज आप परमेंश्वर के प्रिय राजकुमार व राजकुमारी बन सकते हैं। आज परमेंश्वर आप के दिल में आकर रह सकतें हैं और आपको अपना प्रेंम, और शांति और आन्नद दे सकतें हैं।

बाइबल अब तक सुनाई गयी महानत्म प्रेम कथा हैं। यह स्वर्ग से सुनाई गयी परमेंश्वर की प्रेम कथा है।

बाइबल कहती है कि सबसे पहले, परमेंश्वर ने आकाश और पृथ्वी की रचना की। हमारा परमेंश्वर सच्चा और एक मात्र परमेंश्वर है। उसी ने सृष्टि की—सूरज और चाँद और तारो की रचना की । उसने पृथ्वी की व उसमें समस्त जीवों की रचना की। और अंत में जब वह इस पृथ्वी को हमारे रहने के लिये बाना चुके, तब उन्होंने हमें आपने स्वरूप बनाया। परमेंश्वर ने तुम्हें आपने जैसा बनाया। आप अद्भभुत और महत्वपूर्ण हैं!

जब परमेंश्वर ने पहले मनुष्यो को बनाया, जिनाका नाम आदम और हव्वा था, परमेंश्वर ने उन्हें बनाया था ताकि

परमेंश्वर उनसे प्रेम करे और वे उसके प्रतिफल में परमेंश्वर को प्रेम कर सकें। परमेंश्वर नें उन्हें पृथ्वी पर सभी वस्तुओं पर आधिकार व राज्य दिया। उसने उन्हें इस संसार में राजकुमार व राजकुमारी होनें कें लिये बनाया। उसने उन्हें एक सुन्दर बागीचे में रखा। परमेंश्वर उन्हें प्रेम करतें थें। उन्होंने उन्हें कहा कि फूलो–फलो और धरती कों आबाद करों। सब कुछ अच्छा था।

एक दिन उस बगीचे में कुछ भयंकर धटित हो गया।

क्या हुआ? सबसे पहले आप को यह जाननें की आवश्यक्ता है कि परमेंश्वर का एक शत्रु है। यह शत्रु एक विद्रोही स्वर्गदूत है जिसका नाम शैतान है। परमेंश्वर ने शैतान को एक सुन्दर और ताकतवर स्वर्गदूत लूसीफर कें रुप में बनाया था। लूसीफर ने बिना बुराई के एक अच्छे स्वर्गदूत के तरह से शुरुआत करी। लेकिन अपनी सुन्दरता के कारण, लूसीफर अपने हृदय में घमंड से भर गया। वह परमेंश्वार की सेवा और आराधना बिलकुल नहीं करना चाहता था। उसने परमेंश्वर के विरोध में बलवा किया। वह स्वयं परमेंश्वर बनना चाहता था। वह बुरा हो गया, और परमेंश्वर ने उसे स्वर्ग से बाहर निकाल दिया।

जब परमेंश्वर आदम और हव्वा को बना चुके,शैतान बाग में आया। वह आदम और हव्वा को परमेंश्वर के खिलाफ करने

के लिये भरमाने लगा। उसने उन्हें परमेंश्वर की अनाज्ञाकारिता और उनके विरुद्ध पाप करने के लिये भरमा दिया। और उन्होंने पाप किया। परमेंश्वर ने आदम और हव्वा को खुद चुननें की आजादी दी थी। उनमें अपनें निर्णय लेने व अच्छा व बुरा चुननें की क्षमता थी । जब आदम और हव्वा परमेंश्वर की अनाज्ञाकारिता करने तथा पाप करने लगे तो कुछ भयानाक हो गया। उन्होंने परमेंश्वर के साथ आपना रिश्ता खो दिया। वे पाप में गिर गये। पाप एक तरह की आत्मिक बीमारी है जो आपकें दिल को अच्छाई से बुराई की तरफ मोड़ देती है। आदम और हव्वा की संताने फली–फूली और वे सारी धरती मैं भर गयें लेकिन वे पाप से भी भरे हुये थे। पाप की यह बीमारी अब पूरे संसार में फैली हुयी है। इसी कारण लोग झूठ बोलते हैं और चोरी करते हैं और दूसरों को चोट पहुॅचाते हैं और एक दूसरे की हत्या करते हैं।

कुछ और भी भयंकर हुआ। आदम और हव्वा परमेंश्वर की आशीष के साथ बनाये गये थे। पर जब उन्होंने पाप में प्रवेश किया, तो उन पर और इस सारे संसार पर एक श्राप आ पडा। बीमारी और रोग और मृत्यु और गरीबी इस संसार में आ गये। मनुष्य अब परमेंश्वर के राजकुमार व राजकुमारी नहीं बल्कि पाप और शैतान के गुलाम बन के रह गये हैं।

सारी मानव जाति पाप की इस भयंकर बीमारी से पीडित थी। सारी मानव जाति पाप के श्राप के आधीन थी। सारी मानाव जाति को शारीर में मरना और फिर अनन्त काल के लिये आत्मिक आयाम में परमेंश्वर की उपस्थिति सें त्यागे हुये रहना।

शैतान ने इस संसार को झूठे देवताओं और झूठे धर्मो से भर दिया है। पर केवल एक ही परमेंश्वर है, और वो आप से प्रेम करता है। वो आप को बचाना चहता है और आज आपको अपना बेटा व बेटी बनाना चहता है।

परमेंश्वर चाहते हैं कि आप कुछ बातो को समझे। क्योंकि आप परमेंश्वर के स्वरुप में बनाये गये हैं इस लिये आप परमेंश्वर के लिये अति प्रिय और कीमती हैं। परमेंश्वर में आप का एक प्रारब्ध और एक उद्धेश्य है। उसने आप को प्रेम करने के लिये बनाया है ताकि आप उसके प्रतिफल में उन्हें प्रेम कर सके। आप का जीवन महत्वपूर्ण है। आप एक कीमती सोने के सिक्के के समान हैं। सिक्का चाहे खो गया हो। चाहे सिक्का धूल में गिर गया हो। सिक्के पर लोगों ने चाहे पैर रखें हों या चाहे लोगो ने पैरों से रौंदा हो। हो सकता है कि सिक्का ऐसा दिखे कि उसकी कोई कीमत नहीं है। लेकिन सिक्का पर उसके बनाने वाले की छवी है। और सिक्का अभी भी कीमती है। केवल उसे साफ करने

और उसे उसकी पहले जैसी दशा में बहाल किये जाने की आवश्यक्ता है।

आप उस सिक्के के समान है। मानव जाति के पाप में गिर जाने के कारण आप खो गये थे। आप चाहे इस संसार के अंधकार या टूटे पन की गंदगी में गिरे हों। इस गिरे हुये संसार में आप बहुत टूटे हुये हो सकते हैं। आप शयद सोंचे कि आपकी कोई कीमत नहीं हैं। लेकिन परमेंश्वर कहते हैं कि आप कीमती हैं और आप अती प्रिय हैं। आप में अब भी अपने रचने वाले की छवी है। वो आपको इस संसार की गंदगी और पाप से मुक्त करना चहते हैं।

मनव जाति के पाप में गिर जाने के बाद परमेंश्वर ने एक योजना बनाई। वह हमसे प्रेंम करते हैं, और वह हमें बचाना चहते हैं।

हजारो सालों तक, परमेंश्वर ने भविष्यवक्ताओं को इस संसार में भेजा। उनमें से अधिकंश इज़राइल के देश व लोगों में से थे। उन में सभी के पास एक संदेश था, छुटकारा देने वाला आने वाला है! भविष्यवक्ताओं के संदेश बाइबल में लिखे गये हैं। यशयाह और यिर्मयाह दनियेल और यहेजकेल जैसे महान भविष्यवक्ता हुये हैं। उन सभी ने एक बात कही: इस संसार में एक मसीहा आने वाला है! वह लोगों को उनके पापों से मुक्ति देगा। जो कोई भी इस मसीहा पर

विश्वास करेगा वह बचाया जायेगा। जो कोई इस उद्धारकर्ता के नाम को पुकारेगा वह उद्धार पायेगा। जो कोई इस उद्धारकर्ता पर विश्वास करेगा उसके सारे पाप मॉफ हो जायेंगे। जो कोई इस उद्धारकर्ता के नाम को पुकारेगा वह अनंत जीवन के साथ परमेंश्वर की संतान बन जायेगा।

परमेंश्वर ने मूसा नाम के एक मनुष्य को भविष्यवक्ता के रुप मे खडा किया । मूसा ने इज़राइल के लोगों को पवित्र जीवन जीने के लिये परमेंश्वर की व्यवस्था दी। उसने दस आज्ञा और बहुत से अन्य कानून दिये। इन कानूनो नें यह बताया कि एक मात्र सच्चे परमेंश्वर को छोड उनका कोई और ईश्वर न हो। इन कानूनों ने लोगों को बताया कि वे झूठ नहीं बोले, चोरी नहीं करे या हत्या न करे। इन कानूनो ने परमेंश्वर की पवित्रता को प्रकट किया। इन नियमों ने लोगों को उन चीजों को बताया जिन्हें परमेंश्वर प्रेंम करते हैं और जिन्हें परमेंश्वर धृणा करते हैं, क्योंकि वह अच्छा है और पवित्र है।

लेकिन यह नियम परमेंश्वर के लोगों नहीं बचा सके। ये नियम अच्छे थे, लेकिन लोग पाप की बीमारी से ग्रसित थे। व्यवस्था ने हमें बताया कि हमें झूठ नहीं बोलना चाहिये, लेकिन लोग लगातार झूठ बोलते रहे। व्यवस्था ने हमें बताया

कि हमें चोरी और हत्या नहीं करनीं चाहिये लेकिन लोग लगातार चोरी और हत्या करते रहे। परमेंश्वर की व्यवस्था हमें बचा नहीं सकती। परमेंश्वर की व्यवस्था का उद्धेश्य हमें बचाना नहीं था । परमेंश्वर की व्यवस्था का उद्धेश्य था कि सारे संसार के लोग इस बात को समझ जायें कि हमें एक उद्धारकर्ता की आवश्यक्ता है।

तो फिर हजारो सालो तक परमेंश्वर भविष्यवक्ताओं को भेजते रहे। वे बाइबल के पत्रों को लिख रहे थे। भविष्यवक्ताओं का संदेश यह था, एक उद्धारकर्ता आने वाला है! जो कोई उस पर विश्वास करेगा और उसके नाम को पुकारेगा वह बचा लिया जायेगा। उनके पाप मॉफ किये जायेगे। वे परमेश्वर के अति प्रिय राजकुमार व राजकुमारी के रुप में अनन्त जीवन पायेंगे।

आगे क्या हुआ यह समझने के लिये, सबसे पहले आप इस महान भेद को समझे। बाइबल यह कहती है कि केवल एक परमेंश्वर है, पर वह तीन हीस्सों में य तीन व्यक्तित्वों के रुप में मौजूद है। हम इसे त्रीएकत्व कहते हैं। क्योंकि परमेंश्वर ने आप को अपने स्वरुप में बनाया हैं, आप भी एक त्रीएक हो। आप तीन भागों को मिला कर एक बने हैं। आप प्राण आत्मा और शरीर हैं। आप की आत्मा आप का वो भाग है जो अनन्त है, परमेंश्वर की समानता में

बनाया गया। आप का प्राण आपका दिमाग और इच्छा और भावनाये है, आपका शरीर आपका वह शारीरिक भाग है जिसे दुसरे लोग देख और सुन और छू सकते हैं। आप एक व्यक्ति हैं जो तीन हिस्से से बने है। वह एक परमेंश्वर है जो तीन भागो में हैं। परमेंश्वर ने स्वयं् को हमें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के रुप में जाहिर किया है।

परमेंश्वर का एक भाग स्वर्ग में है। वह पिता है। परमेंश्वर का एक भाग पृथ्वी पर आय कि हमें बचाये । वह हमारे समान मनुष्य बन गया। वह कुवारी के द्वारा जन्मा। उसका जन्म एक चमत्कार था। वह हमें बचाने आया था। यही वो उद्धारकर्ता है। उसका नाम यीशु है। परमेंश्वर का एक भाग जो पवित्र आत्मा कहलाता है। जब हम यीशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रुप में स्वीकार करते है, तो पवित्र आत्मा आप के भीतर हमेंशा के लिये रहने के लिये आ जाता है! परमेंश्वर वास्विक्ता में आप में रहना चाहता है क्योंकि वह आपसे प्रेंम करता है!

और यह इस प्रकार हुआ : करीब दो हजार साल पहले, जिब्राइल नाम का परमेंश्वर का एक स्वर्गदूत इज़राइल में एक जवान लड़की से सामने प्रगट हुआ। उस स्त्री की मंगनी तय थी, पर अभी तक उसकी शादी नहीं हुई थी।

वह कुँवारी थी। वह परमेंश्वर पर विश्वास करती थी और परमेंश्वर से प्रेंम करती थी। उसका नाम मरियम था। स्वर्गदूत ने मिरियम को बताया कि परमेंश्वर ने उसे चुना है, और यह कि उसे एक पुत्र होगा। उसे उस बालक का नाम यीशु रखना है। यह बालक परमेंश्वर का पुत्र कहलायेगा क्योकि उसका जन्म मनुष्यों में से होगा, पर उसका एक मात्र पिता परमेंश्वर है। यह बालक दुनिया को उद्धार देने वाला होगा। यह वही बालक होगा जिसके विषय में सभी भविष्यवक्ताओं ने कहा है, एक दिन, यह बालक पूरी दुनिया का राजा और प्रभू होगा। मरियम पूछती है कि यह कैसे होगा, क्योंकि वह तो कुँवारी थी। स्वर्गदूत उसे उत्तर देता है कि पवित्र आत्मा तुझ पर छाया करेगा, और यह जन्म परमेंश्वर का एक चमत्कार होगा। मरियम ने स्वर्गदूत का विश्वास किया, और नौ महीने बाद उसने एक बालक को जन्म दिया। और उसने उस बालक को वो नाम दिया जो स्वर्गदूत ने उसे बताया था– यीशु।

यीशु मनुष्य के शरीर में परमेंश्वर था। वह त्रिएक परमेंश्वर का दूसरा भाग हैं। वह इस संसार में हम में से एक बनकर आये। वह वो मसीहा बनकर आये। वह हमें पाप और मृत्यु और श्रापों से छुडाने आये। वह फिर से हमें परमेंश्वर की संतान बनाने आये। वो इस लिये आये क्योंकि वो हमसे

बहुत अधिक प्रेंम करते हैं। वो इस लिये आये कि वो आप से बहुत प्रेंम करते हैं!

परमेंश्वर आपको जानते हैं। वह आप का नाम जानतें हैं। वो जानतें हैं कि आपके सिर में कितने बाल हैं। वो आपसे प्रेम करते हैं, और वो चाहते हैं कि आप हमेंशा कि लिये उनके बच्चे बन कर रहें।

यीशु जवान हुये। जब वह तीस साल के हुये, तब स्वर्ग से परमेंश्वर का पवित्र आत्मा उन पर उतरा और उन्हें सामर्थ से भर दिया। और स्वर्ग से पिता परमेंश्वर बोले और बहुत से लोगों सुन रहे थे। पिता ने यीशु से कहा कि,'' तुम मेरे प्रिय पुत्र हो।'' और उस समय से, यीशु लोगों को अपने पिता परमेंश्वर के बारे में सिखाने लगा। उसने लोगों से प्रेंम किया। उसने लोगों को स्वर्ग के बारे में और परमेंश्वर के राज्य के बारे में बताया। वह लोगों को चंगा करने और चमत्कार करने लगा। यहॉ तक कि उसने मुर्दों को जिन्दा कर दिया। उसने लोगों को दुष्ट आत्माओं से आजाद किया। उसने लोगों को उनके पापों के लिये मॉफ किया। उसने 12 लोगों को बुलाया कि वे उसके अनुयायी हो– और उसके चेले बने।

यीशु ने सारे लोगों को बताया कि वो वही उद्धारकर्ता हैं जिसके बारे में सारे भविष्यवक्ताओं ने कहा हैं। यीशु ने उन्हें

बताया कि अगर वे उसके नाम पर विश्वास करेगें, तो वे उद्धार पायेगें। उसने उन्हें बताया कि पिता परमेंश्वर तक वापस आने का एक मात्र रास्ता वो ही हैं। उसने उन्हें बताया कि वह उनके पापों को माफ कर देगा और उन्हें अनन्त जीवन देगा। उसने उन्हें बताया कि यदि वे उसके नाम पर विश्वास करेगें तो, तो कुछ ही समय बाद परमेंश्वर का वही पवित्र आत्मा आकर उनके दिलों में भी वास करेगा।

तीन वर्षो तक लोगों को शिक्षा देने के बाद और बीमारों को ठीक करने के बाद, उस समय के धार्मिक अगुवे यीशु से बहुत ईष्या करनें लगे। लोगो की बड़ी भीड़ यीशु के पीछे हो लि थी, पर धार्मिक अगुवो ने उस पर विश्वास नहीं किया। वे अब भी सोचते थे कि, भविष्यवक्ता मूसा की व्यवस्था का पालन करके वे खुद को बचा लेंगे। हालॉकि यीशु ने बहुत सारे चमत्कार किये थे फिर भी वे विश्वास नहीं करना चाहते थे, कि यीशु ही वो उद्धारकर्ता है जिसके विषय में भविष्यवक्ताओं ने कहा है। वे लोगों के बीच में यीशु की प्रसिद्धि से जलते थे। तो उन्होंने झूठ बोल कर यीशु पर उन बातों का दोष लगाया जो उसने नहीं की थीं। उन्होंने कहा कि खुद को परमेंश्वर और उद्धारकर्ता कहने कि लिये यीशु को मौत की सजा होनी चाहिये।

उन दिनों में इज़राइल देश में रोम का साम्राज्य था। इसलिये धार्मिक अगुवों ने यीशु को रोम की सरकार को सौंप दिया कि वो उसे उसके आपराध के लिये मौत की सजा दें। हालॉकि यीशु निर्दोष थे, फिर भी रोमी सरकार उन्हें मृत्यु दण्ड़ देनें के लिये तैयार हो गयी। उन्होंने उसे कोड़ों से बुरी तरह से मारा। फिर उन्होंने उसे कीलों से एक लकडी के क्रूस पर जड़ दिया। उन दिनो में वे अपराधियो को इसी प्रकार सजा देते थे। यीशु ने तो बस यह किया था कि उसने लोगों से प्रेंम किया, क्षमा किया और उन्हें चंगा किया, लेकिन धार्मिक लोगों ने और रोमी सरकार ने उसे क्रूस पर चढ़ा दिया। दुनिया में केवल यीशु ही एक मात्र निर्दोष व्यक्ति थे। केवल वही एक है जिसने कभी पाप नहीं किया!

यीशु ने क्यों उन्हें खुद को क्रूस पर चढ़ाने दिया? यदि वह परमेंश्वर थे, क्या वो इसे होने से रोक नहीं सकते थे ? हाँ, लेकिन यीशु वास्तविक्ता में इस दुनिया में क्रूस पर मरनें के लिये आये थे। यह उनकी ही योजना थी। वह हमारे लिये मरने के लिये आये थे। वह हमारे पापों के लिये मरने के लिये आये थे।

बाइबल बताती हैं कि पापा की सजा मृत्यु है। जैसे हर एक आपराध की सजा या जेल होती है, पाप की सजा मृत्यु है। यह तो परमेंश्वर से अनन्त काल के लिये अलग किया जाना

है। परमेंश्वर हमें प्रेम करते हैं, और वो हमें बचाना चहते हैं। पर वो एक न्याय के परमेंश्वर भी हैं। इसलिय परमेंश्वर को न्याय को पूरा करने के लिये हमारे दण्ड़ को पूरा करने की आवश्यक्ता थी। तब वो हमारे अपराधो को माफ कर सकते थे। तो यीशु त्रिएक परमेंश्वर में दूसरा भाग, हमारे स्थान पर क्रूस पर मरने के लिये इस संसार में आये। वो हमारे दण्ड़ को अपने ऊपर लेने के लिये आये। वो हमारे स्थान पर मरने के लिये आये। जब वो क्रूस पर अपना लहू उड़ेल रहे थे, तो वो हमारे अपराधों की पूरी कीमत चुका रहे थे। पूरी दनिया में जो एक मात्र निर्दोष व्यक्ति था, वो सारे दोषी लोगों के स्थान पर आपनी जान दे रहा था। क्रूस पर यीशु के आखिरी शब्द थे,''पूरा हुआ।'' यह शुक्रवार की दोपहर थी, करीब दो हजार साल पहले।

यीशु की मृत्यु के बाद, उन्होंने उसके शरीर को क्रूस से नीचे उतारा। उन्होंने उसे एक कब्र में रखा। वो कब्र एक छोटी गुफा के जैसी थी। उन्होंने उसके शरीर को उसमें रखा और एक बड़े पत्थर से उस गुफ के मुँह को ढ़क दिया। धार्मिक अगुवे सोच रहे थे कि वे यीशु को खत्म कर चुके। यहाँ तक कि उस विद्रोही स्वर्गदूत शैतान ने भी सोचा कि उसने परमेंश्वर के पुत्र को मार दिया है। उसे लगा कि वो जीत गया है। वो सोच रहा था कि पापों में गिरे होने

के कारण वो मानव जाति को निरन्तर गुलाम बनाये रहेगा और पीड़ाओं में रखेगा।

लेकिन बहुत सवेरे रविवार की सुबह, कुछ अद्भभुत हो गया। स्वर्गदूत आये और उन्होने कब्र पर पड़े पत्थर को लुढ़का कर हटा दिया, और यीशु कब्र से जिन्दा चलकर बाहर आ गये। जब वो सारी दुनिया के पापों की कीमत दे चुके तो उनके स्वर्गीय पिता ने उन्हें मरे हुओ में से जिला दिया। यीशु अपने चेलों के सामने प्रगट हुये और उन्हे एक संदेश दिया। उसने कहा,'' स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।'' एक मनुष्य की तरह, यीशु ने हमें बचाया है और हमें पापों से छुड़ाया है और शैतान की गुलामी से हमें आजाद किया है। परमेंश्वर मनुष्य बन गया, खुद उसके द्वारा सृजे गये लोगों में से वह एक बन गया, ताकि वह हमें छुड़ा सके और हमें प्रेम कर सके। यदि हम उस पर विश्वास करे और उसके पीछे चले, तो हम कभी दास नहीं बनेगें, पर परमेंश्वर के राजकुमार और राजकुमारी बनेगें। हम पहले जैसे बन जायेगें।

यीशु ने अपने चेलों से कहा कि सारी दुनिया मे जाओ और इस संदेश का प्रचार करे– इस कहानी को– पूरी दुनिया को प्रचार करो। इस संदेश को ''शुभ संदेश'' कहते है। यदि तुम विश्वास करते हो कि वह तुम्हारे लिये मर गया

और फिर जीवित हो उठा, तो तुम उद्धार पाओगे। यीशु ने कहा कि जो कोई भी उन पर विश्वास करेगा और उनके नाम को पुकारेगा वह उद्धार पायेगा। तुम्हारे पाप परमेंश्वर के सामने मॉफ किये जायेंगे। वे लोग जो यीशु को बिना जाने मर गये हैं वे हमेंशा के लिये नाश हो गये हैं। वे अपने पापों में मर गये और अनन्त काल के लिये परमेंश्वर से अलग हैं। पर जो यीशु को अपने उद्धारकार्त के रूप में ग्रहण करगें वे मरने के बाद स्वर्ग जायेगें। और वे फिर कभी परमेंवर की उपस्थिति से अलग नहीं किये जायेगें।

और यीशु ने कहा कि उनके साथ कुछ और भी अद्धभुत होगा। जिस पल आप यीशु को आपना उद्धारकर्ता होने के लिये पुकारते हैं, परमेंश्वार का पवित्र आत्मा आपके दिल में आयेगा और आप नया जन्म पा जाओगे। आपका एक नया दिल होगा, परमेंश्वर से एक नयी आत्मा मिलेगी। आप परमेंश्वर की सन्तान बन जायेगें। आपको अनन्त जीवन मिलेगा। पाप की बीमारी आपके जीवन मे अपना प्रभाव खोना प्रारंभ कर देती है। परमेंश्वर आपके दिल को अपने प्रेम से और अपनी पवित्रता से भर देतें हैं और आप भीतर से एक व्यक्ति बन जाते हैं। और परमेंश्वर का आत्मा आप में हमेंशा के लिये रहता है। आप परमेंश्वर की उपस्थिति को महसूस करने लगते हैं और यहॉ तक कि अपने दिल

के भीतर उसकी आवज को भी सुन पातें हैं। वो आपकी अगुवाई करेंगें और सहायता करेंगे और आपके दिल में बात करने के द्वारा वो आपको सिखायेंगे।

बाइबल कहती है कि यीशु के मर के जीवित हो जाने के चालिस दिन बाद वापस स्वर्ग चले गये। वो परमेंश्वर पिता के दहिने हॉथ जा कर बैठ गये। वो वहॉ पिता के निकट हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता बन के बैठें है। बाइबल कहती है कि एक दिन यीशु स्वर्ग से वापस आयेगें। जब वह वापस आयेगें, वह अपने सामर्थ में और सारी दुनिया का राजा होने आयेगें। उस समय हर एक घुटना उनके सामने झुकेगा। आभी जो लोग उन पर विश्वास करेंगे और राजा के समान उसकी सेवा करेंगे वे उस समय उनके साथ उनके राज्य में सदैव रहेंगे। यदि आप अभी अपने राजा के समान उनकी सेवा करते हैं, तो जब वो अपने राज्य में आयेगें ता आप उनकें राज्य में राजकुमार और राजकुमारी की तरह उनके साथ राज्य करेगें।

क्या आप तैयार हैं इसी समय यीशु के नाम को पुकारने के लिये? क्या आप इसी समय उद्धार पाने कि लिये तैयार हैं? क्या आप उस पर विश्वास करने के लिये तैयार है और उसके पीछे चलने के लिये तैयार हैं? क्या आप इसी पल परमेंश्वर की संतान बनना चहते हैं? इसी समय इस प्रार्थना

को करें। ऊँचें स्वर में इस प्रार्थना को करें। इसी क्षण, आप उद्धार प्राप्त करोगे।

यह प्रार्थना करेः '' प्रभु यीशु, मैं विश्वास करता हूँ कि आप परमेंश्वर है जो इंसान बन गयें। आप इस संसार में मुझे बचाने के लिये आये। आप परमेंश्वार की बेटे हैं। यीशु, मैं आप पर विश्वास करता हूँ आप से कहता हूँ कि मुझे उद्धार दें। मैं विश्वास करता हूँ कि आप मेरे लिये मरे। आप ने कूस पर आपने जीवन व लहू से मेरे पापो के लिये कीमत चुकाई ताकि मुझे क्षमा मिले। मैं विश्वास करता हूँ आप मरे हुओं में से जी उठे। आप मेरे उद्धारकर्ता हो। यीशु, अभी मेरे दिल में आ जाओ। होने दें कि इसी घड़ी आप की पवित्र आत्मा को आप मेरे दिल में आने दें। इसी घड़ी, मैं परमेंश्वर का बच्चा बन गया हूँ। इसी पल से, परमेंश्वर मेरे पिता हैं। वे सदैव मुझे प्यार करते हैं। इसी पल, मैं पापों की क्षमा प्राप्त करता हूँ और मैं यीशु को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार करने के कारण मैं अनन्त जीवन प्राप्त करता हूँ। यीशु मैं आपके पीछे चलूँगा, आमीन!''

आपको बघाई हो! अब आप परमेंश्वर की संतान हैं। यीशु आपके दिल में आ गये हैं। आप उद्धार पा गये हैं।

अब आप को कया करना चाहिये?

आगर आप कर सकते हैं तो, एक मसीही कलीसिया का पता लगाये जाहाँ आप जा सकते हैं। उन लोगों को फोन करें जिन्होंने आप को यह पुस्तक दी। लोगों को आपके निर्णय के बारे में बतायें। एक बाइबल ले आये और उसे पढ़ना प्रारंभ कर दें, खासकर नया नियम। नया नियम बाइबल का वो भाग है जो आज हम लोग जी रहें है। यीशु के बारे में और सीखें। कलीसिया के अगुवे को अपको यीशु के पीछे चलनें के बारे में और सिखाने का मौका दें। हम परमेंश्वर का परिवार हैं, हमें एक दूसरे की आवश्यक्ता है। हम एक दूसरे को प्रेम करते हैं, और हम एक दूसरे को सीखने में और आत्मिक रूप से बढ़ने में सहायता करते हैं। परमेंश्वर आपको आषीश दे!